अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17

फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

''धर्म गुरू धनबलियों के झांसे में न आये''
मुनिश्री का मंगल भावना में उद्बोधन

मुनिश्रीविनयकुमारजी 'आलोक'

जयपुर 03 नवम्बर, 09

उपभोक्ता संस्कृति ने धर्म को भी बाजारवाद का सुक्षम साधन बन गया है। धनबल और बाहुयबल के आधार पर लोगों ने राजनिति पर कब्जा किया और आज हम देख रहे है राजनीति की कितनी दयनीय स्थिति है। मुझे लगता है हम कुछ ही वर्शो के बाद देखेंगे जैसे राजनीति से अच्छे लोगों ने किनारा कर लिया है। आने वाले दिनों में धार्मिक लोग भी धर्म से किनारा न कर लें। लगता है आने वाला समय धर्म के लिए खतरनाक साबित होगा। ये :ाब्द मुनिश्री विनयकुमारजी ''आलोक'' ने चातुर्मास की परि समाप्ति पर समायोजित मंगल भावना समारोह अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में कहे। मुनिश्री के सम्मान में आयोजित सभा में पूर्व राज्यपाल जस्टिस नवरंग लाल टिबरेवाल, लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन श्री जे.एम. खान, एम.एन.आई.टी के चेयरमैन राजपाल दहिया, नरेगा कमिश्नर श्री राजेन्द्र भाणावत, सुबोध मैनेजमेन्ट के चेयरमैन प्रो. मानचन्द खंडेला, पूर्व महानिदेशक पी.एन. रिछोया, प्रो. जी.एस. मोदानी, सुप्रसिद्ध कवि नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम', प्राकृत भारती के निदेशक विनयसागर, प्रो. मो. सलीम, पूर्व महानिरीक्षक पुलिस श्री अरूण दूगड़, प्रो. पी.सी. जैन, आदि ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मद्रास, कोयम्बटूर, बल्लिमबाड़ी, नाभा, सवाईमाधोपुर, कोटा, किशनगढ़, अजमेर के लोग उपस्थित थे।

मुनिश्री ने आगे कहा :- धर्म आज संक्रमण काल से गुजर रहा है। उसको बचाने के लिए व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है। जब धर्म गुरू धनाढय लोगो को महत्व न देकर चरित्र से सम्पन्न लोगो को महत्व दे तो धर्म में बचाव हो सकता है पर खेद है धर्म गुरू भी अपनी प्रसिद्धी प्राप्त करने के लिए, अपने नाम व सम्मान को बढ़ाने के लिए धनाढय लोगों को छोड़ नहीं सकते। मुनिश्री ने समाज के सभी वर्गो से आग्रह किया कि वे धर्म गुरूओं के बहकावे में नहीं आवे और धर्म जो पवित्रता का साधन आत्म उन्नति का साधन है उसे स्वीकार करें। आज धर्म गुरू कम और कथा वाचक ज्यादा है। समाज को उन लोगों पर भी नियन्त्रण करना चाहिए। मुनिश्री ने मीडिया जगत की प्रशंसा की और दिये गये व्यापक सहयोग पर अतिप्रशंसा की।

पूर्व राज्यपाल श्री टिबरीवाल ने कहा :- मुनिश्री ने मुझे अधिक प्रभावित किया। यही नहीं उन्होंने मेरे जीवन को बदला भी है। मुनिश्री ने सभी धर्मो को जोड़ा है। भातृत्व भाव बढ़ाया है। अधिकतर लोग समाज में विद्वेश पैदा कर रहे है। मुनिश्री जैसे संत जोड़ने में विश्वास करते है तोड़ने में नहीं। पूर्व चैयरमैन खान ने कहा कि मेरे पर मुनिश्री की सदैव कृपा बनी रही मुनिश्री का व्यक्तित्व विशाल, साधन_व स्वाध्याय परायण है मुनिश्री रचनात्मक कार्यों में विश्वास करते हैं अब तक सभी समुदाय अपने आप को बढ़ाने में लगे रहते है मुनिश्री अपवाद है जिन्होंने सभी धार्मों के लोगों को जोड़ा है।

श्री पी.एन रिछोया ने कहा :- ''काहू हो मगन'' सतपुरूश अपने आपमें मगन रहते है मुनिश्री में क्या जादु व चमत्कार है मैं नहीं कह सकता मैने अनुभव किया है, एक दिन अचानक मेरे घर पधारे उस समय मैं काफी डिपरेशन में था लेकिन जैसे ही मैंने उनका आर्शीवाद लिया पता नहीं डिप्रेशन कहां गायब हो गया। श्री अरूण दूगड़ ने मुनिश्री को अणुविभा का पर्याय माना और दृढ़ लक्ष्य का धनी माना। श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा 'कुसुम' ने ''मुनि श्रेश्ठ करो स्वीकार नमन'' कविता प्रस्तुत की।

.....02

.....01

श्री विनयसागर ने कहा :- मुनिश्री की मिलन सारिता, ने मुझे बहुत प्रभावित किया है।, प्रो. सलीम ने कहा - मुनिश्री ने जयपुर वासियों को आलोकित कर दिया है। प्रो. जी.एस. मोदानी ने कहा :- मुनिश्री का संबोधन का असर है कि आज राश्ट्रीय

प्राधोगिक संस्थान के सैंकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित है। 27 वर्शों के इस जीवन काल में मैने पहली बार संस्थान में धर्म गुरू का प्रवचन सुना।

प्रो. मानचन्द खण्डेला ने कहा :- विचारों की ताकत मैंने मुनिश्री में देखी। मेरे जैसे पलायनवादी को भी धर्म व समाज के साथ जोड़ दिया। नरेगा चेयरमैन राजेन्द्र भाणावत ने कहा- मुनिश्री की उपस्थिति हमेशा बनी रहेगी चाहे वे शरीर से कितने ही दूर हो।

इस अवसर पर अणुविभा के महामंत्री ओमप्रकाश जैन, सिविल लाईन चर्च के पादरी श्री विजय पाल, सी-स्कीम महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता डागा, दीपशिखा के चेयरमैन श्री प्रेम सुराणा, अणुव्रत समिति की अध्यक्ष श्रीमती विमला दूगड़, तेरापंथ युवक परिशद्, जयपुर के अध्यक्ष श्री सुधीर चौरड़िया, शहर महिला मंडल की मंत्री श्रीमती मधु श्यामसुखा, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के मंत्री श्री हिम्मतसिंह छाजेड़ आदि ने मुनिश्री को भाव भरी विदाई दी। महिला मंडल के गीत से कार्यक्रम का सुभारंभ हुआ। महिला मंडल सी-स्कीम ने विदाई गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री पन्नालाल पुगलिया ने किया। कार्यक्रम के तत्काल मुनिश्री ने कन्या भूण हत्या जन जागरण रैली के साथ प्रस्थान कर 31, मोजी कोलोनी में श्री धनराज जी बरड़िया के आवास पर पधारें। प्रो. पी.सी. जैन द्वारा तैयार शाकाहार कलेन्डर का मुनिश्री ने विमोचन किया। प्रो. सलीम ने मुनिश्री को कुरान की प्रति भेंट की। 14 वें वर्शीतप करने वाली श्रीमति दूगड़ को साहित्य भेंट कर सम्मान किया।

मुनिश्री विनयकुमारजी ''आलोक'' आज तिलक नगर में

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' 31, मोजी कॉलोनी से विहार 04 नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे। डॉ. सिद्धराज भंडारी के आवास तिलक नगर पधारेंगे तथा सिद्धराज भंडारी के आवास से 05 नवम्बर को जनता कोलोनी स्थित पाटनी हाउस पधारेंगे।

अणुविभा केन्द, जयपुर